# सिक्योरिटीज़ मार्केट – लेवल ३

निवेशक के दृष्टिकोण से उन्हें समझना

Non-Confidential

## भारतीय पूंजी बाज़ार की संरचना

- प्राइमरी मार्केट (जहाँ नई सिक्योरिटीज़ जारी की जाती हैं, जैसे: IPO, FPO, राइट्स इश्यू, प्राइवेट प्लेसमेंट)
- सेकेंडरी मार्केट (जहाँ पहले से जारी सिक्योरिटीज़ स्टॉक एक्सचेंज या ओवर-द-काउंटर मार्केट में ट्रेड होती हैं)
- मार्केट प्रतिभागी (Market Participants) में निवेशक, जारीकर्ता (Issuers) और मार्केट इंटरमीडियरी शामिल होते हैं।
- मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थान (MIIs) बाज़ार के संचालन को सुचारु बनाने में सहायता करते हैं; इनमें स्टॉक एक्सचेंज, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉज़िटरी शामिल हैं।
- नियामक संस्थाएँ (Regulatory Bodies) जैसे SEBI, RBI और वित्त मंत्रालय बाज़ार की निगरानी और विनियमन प्रदान करते हैं।

NSE
IPFT

# भारतीय पूंजी बाज़ार का उत्पाद परिदृश्य

## पूंजी बाज़ार में उपलब्ध प्रमुख उत्पाद इस प्रकार हैं:

- इक्विटी शेयर ऋण प्रतिभूतियाँ (Debt Securities)
- म्यूचुअल फंड्स वैकल्पिक निवेश कोष (AIFs)
- रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (REITs) एवं
- इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (InvITs)
- एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETFs)
- डेरिवेटिव्स

# प्राथमिक बाज़ार की संरचना एवं इश्यूअन्स के प्रकार

**प्राथमिक बाज़ार वह बाज़ार है जहाँ कंपनियाँ और संस्थान नई प्रतिभूतियाँ जारी करके पूँजी जुटाते हैं।**

- प्रतिभूतियाँ जारी करने वाले – कॉर्पोरेट एवं सरकारी संस्थाएँ
- इश्यूअन्स के प्रकार – पब्लिक इश्यू, IPO, FPO, राइट्स इश्यू
- नियामक एवं अनुपालन प्रक्रिया
- निवेशक सहभागिता एवं आवंटन प्रक्रिया, तथा सेकेंडरी मार्केट में ट्रांज़िशन

NSE IPFT

# सेकेंडरी मार्केट ट्रेडिंग और सेटलमेंट

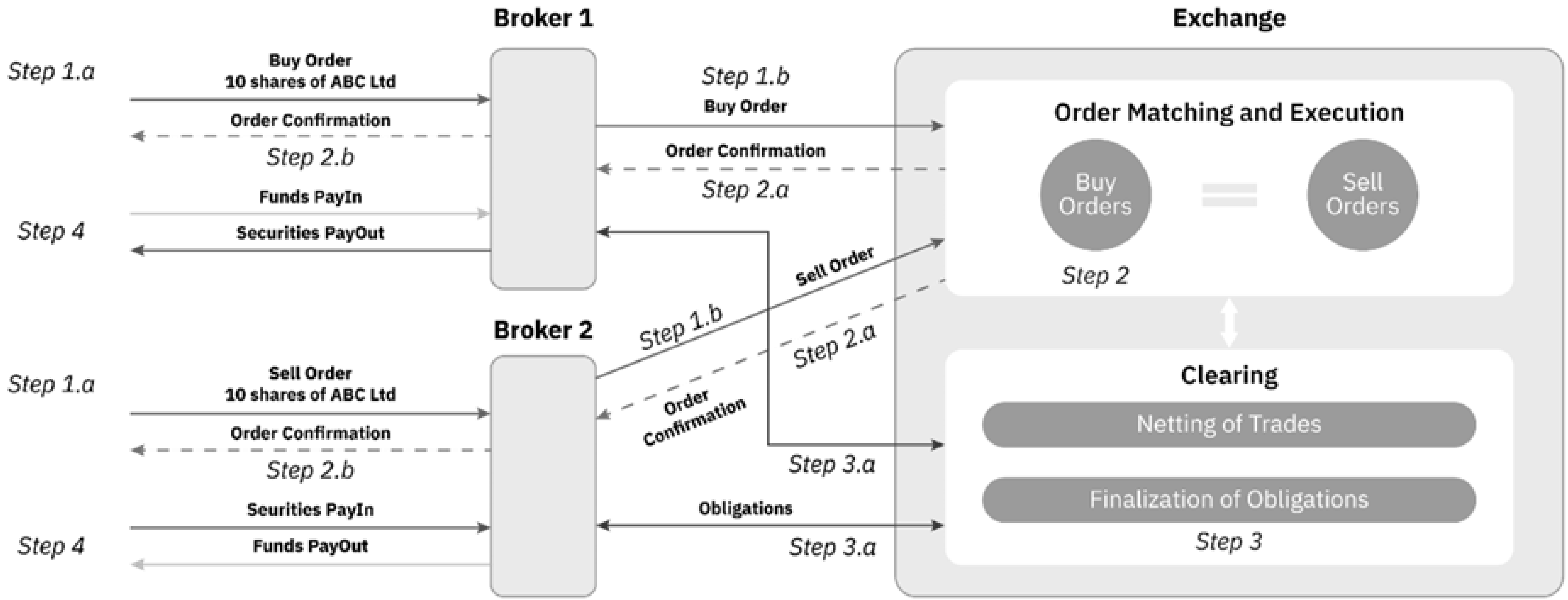


*सेकेंडरी मार्केट वह बाज़ार है जहाँ प्रतिभूतियों का व्यापार निवेशकों के बीच होता है, जब वे प्राइमरी मार्केट में जारी की जा चुकी होती हैं। यह प्रतिभूतियों की लिक्विडिटी (तरलता) और प्राइस डिस्कवरी (मूल्य निर्धारण) सुनिश्चित करता है।*

NSE
IPFT

## अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ – समेकित खाता विवरण (CAS)

समेकित खाता विवरण एक संयुक्त स्टेटमेंट होता है, जिसे डिपॉज़िटरी द्वारा निवेशकों को भेजा जाता है। यह निवेशकों को उनके म्यूचुअल फंड और डिमैट खाते में रखी गई सभी प्रतिभूतियों का समग्र एवं एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करता है।

- 01 — एक ही स्टेटमेंट में कई निवेशों की जानकारी
- 02 — लेनदेन-आधारित एवं आवधिक रिपोर्टिंग
- 03 — राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के साथ एकीकरण
- 03 — इलेक्ट्रॉनिक CAS (e-CAS) के लाभ

Non-Confidential

## अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ – समेकित खाता विवरण (CAS)

### प्रतिभूति बाज़ार में प्रतिरूपण (Impersonation) और अनधिकृत बाज़ार प्रथाएँ

प्रतिभूति बाज़ार में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियाँ निवेशकों और बाज़ार की विश्वसनीयता के लिए जोखिम पैदा करती हैं। SEBI इन गतिविधियों को नियंत्रित और मॉनिटर करता है ताकि निवेशकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

### प्रतिभूति बाज़ार में होने वाले धोखाधड़ी के प्रकार

- पंप एंड डम्प स्कीम्स धोखेबाज़ गलत या भ्रामक जानकारी फैलाकर शेयर के दाम कृत्रिम रूप से बढ़ाते हैं और बाद में ऊँचे दाम पर बेच देते हैं।
- इनसाइडर ट्रेडिंग ग़ैर-सार्वजनिक, मूल्य-संवेदनशील जानकारी के आधार पर अवैध रूप से ट्रेड करना।
- फ्रंट रनिंग ब्रोकर या इनसाइडर बड़े क्लाइंट ऑर्डर्स के आने से पहले ही खुद ट्रेड कर लेते हैं ताकि कीमतों में होने वाले बदलाव से मुनाफ़ा कमा सकें।
- पोंज़ी एवं पिरामिड स्कीम्स ऐसी धोखाधड़ीपूर्ण निवेश योजनाएँ जो ऊँचे रिटर्न का वादा करती हैं, लेकिन पुराने निवेशकों को पैसा नए निवेशकों के धन से देती हैं।
- चार्निंग (Churning) ब्रोकर द्वारा अत्यधिक ट्रेडिंग करना ताकि वे अधिक कमीशन कमा सकें, भले ही इससे निवेशक को कोई लाभ न हो।

Non-Confidential

NSE
IPFT

## ड्यू डिलिजेंस (Due Diligence) क्या है और इसका महत्व क्या है?

ड्यू डिलिजेंस वह प्रक्रिया है जिसमें किसी कंपनी, निवेश, या प्रतिभूति लेनदेन के वित्तीय, कानूनी और संचालन संबंधी पहलुओं का गहराई से मूल्यांकन और सत्यापन किया जाता है—किसी भी निवेश निर्णय से पहले। इससे यह सुनिश्चित होता है कि निवेशकों और बाज़ार प्रतिभागियों को पूर्ण, पारदर्शी और सटीक जानकारी प्राप्त हो।

वित्तीय कदाचार से सुरक्षा

निवेश संबंधी निर्णयों में सुधार

जोखिम की पहचान और उसका निवारण

नियामक अनुपालन सुनिश्चित करना

वित्तीय पारदर्शिता और सटीकता

Non-Confidential

NSE
IPFT

# डयू डिलिजेंस क्या है एवं इसका महत्व क्या है?

वित्तीय डयू डिलिजेंस

संचालन संबंधी डयू डिलिजेंस

बाज़ार एवं उद्योग डयू डिलिजेंस

वित्तीय रिपोर्टें एवं विवरण

उद्योग एवं बाज़ार डेटा

निवेशक परामर्श एवं विश्लेषक रिपोर्टें

Non-Confidential

# बेहतर ड्यू डिलिजेंस के लिए कॉरपोरेट ऐक्शंस

## बेहतर ड्यू डिलिजेंस के लिए कॉरपोरेट ऐक्शंस

कॉरपोरेट ऐक्शंस वे घटनाएँ होती हैं जो किसी कंपनी द्वारा शुरू की जाती हैं और जो शेयरधारकों एवं प्रतिभूतियों पर प्रभाव डालती हैं। ये ऐक्शंस स्वैच्छिक (जहाँ निवेशकों को भाग लेने का विकल्प होता है) या अनिवार्य (जहाँ सभी शेयरधारकों पर प्रभाव पड़ता है) हो सकते हैं।

- डिविडेंड्स (लाभांश) – नकद या स्टॉक डिविडेंड (जैसे बोनस शेयर)
- स्टॉक स्प्लिट्स और रिवर्स स्प्लिट्स
- राइट्स इश्यू – मौजूदा शेयरधारकों को रियायती मूल्य पर अतिरिक्त शेयर खरीदने का अधिकार
- शेयरों की बायबैक
- विलय एवं अधिग्रहण (Mergers & Acquisitions – M&A)

Non-Confidential

# अपने ब्रोक़र को जानें

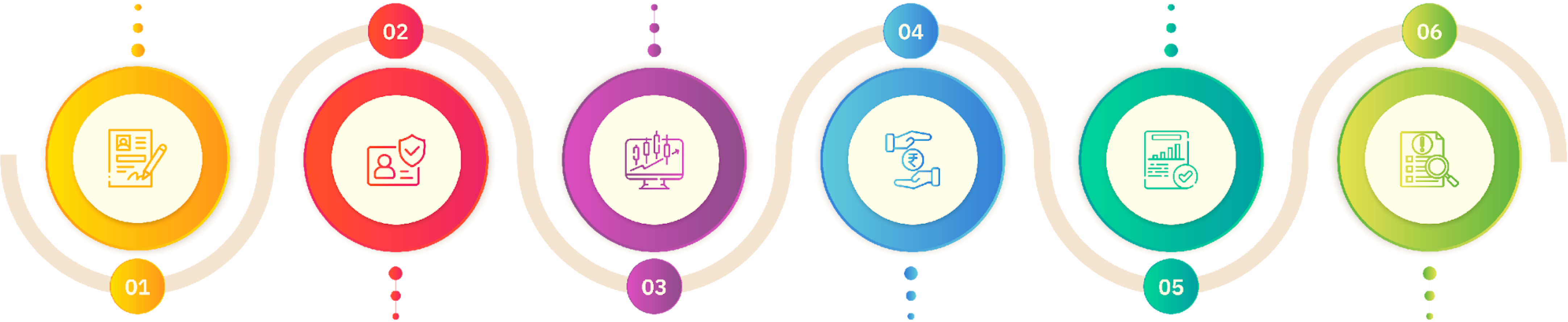


01 BROKER REGISTRATION & COMPLIANCE

02 ACCOUNT OPENING & KYC PROCESS

03 TRANSPARENCY IN TRADING & CHARGES

04 SECURITY OF FUNDS & SHARES

05 TRADE EXECUTION & STATEMENTS

06 GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

Registered Brokers –
https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&intmId=30

## अन्य महत्वपूर्ण जानकारी – BSDA

बेसिक सर्विसेज़ डिमैट अकाउंट (BSDA) एक विशेष प्रकार का डिमैट खाता है, जिसे अगस्त 2012 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और मेंटेनेंस लागत को कम करना है।

BSDA खुदरा निवेशकों को प्रतिभूतियाँ रखने के लिए एक किफ़ायती समाधान प्रदान करता है, साथ ही डिमैट खाते के सभी लाभ भी देता है।

पात्रता मानदंड (Eligibility Criteria)

- केवल एक डिमैट खाता सभी डिपॉज़िटरीज (NSDL/CDSL) में होना चाहिए।
- होल्डिंग्स का कुल मूल्य किसी भी समय ₹10 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए (डेब्ट व गैर-डेब्ट दोनों प्रतिभूतियाँ शामिल)।
- निवेशक को मोबाइल नंबर देना अनिवार्य है और SMS अलर्ट चुनना होगा।

NSE IPFT

## निवेशक संरक्षण और शिकायत निवारण

बिना नियमन वाले प्लेटफ़ॉर्म और उत्पादों पर ट्रेडिंग करना जोखिमभरा होता है। ऐसे प्लेटफ़ॉर्म नियामक संस्थाओं—जैसे SEBI—के निर्धारित ढाँचे से बाहर काम करते हैं,

जिससे निवेशकों को गंभीर जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

- नियामक निगरानी का अभाव
- धोखाधड़ी और हेरफेर का जोखिम
- कानूनी दुष्परिणाम

NSE IPFT

## SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

**ऑनलाइन विवाद समाधान (Online Dispute Resolution) निवेशक किसी भी चरण पर ऑनलाइन विवाद समाधान का विकल्प चुन सकते हैं।**

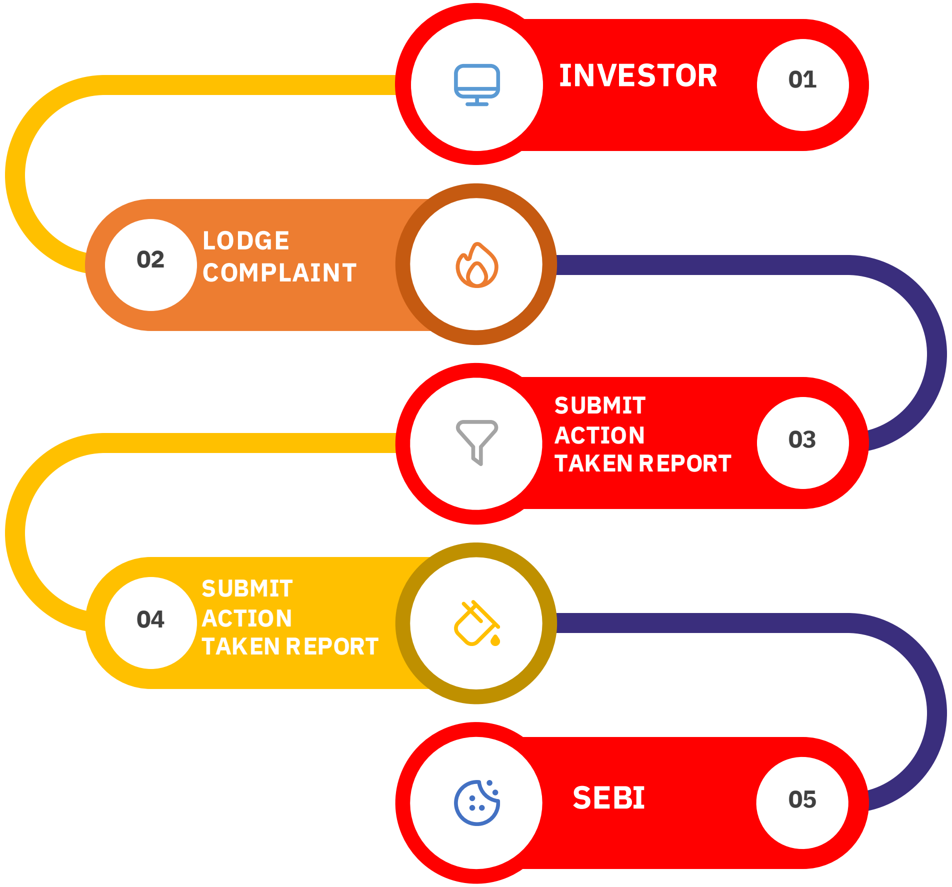


SEBI Scores – https://scores.sebi.gov.in/

## SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

**SEBI Investor Website का उद्देश्य व्यक्तियों को अपने धन पर बेहतर नियंत्रण रखने में सहायता करना है, जिससे उनके निवेश सफर में बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकें।**

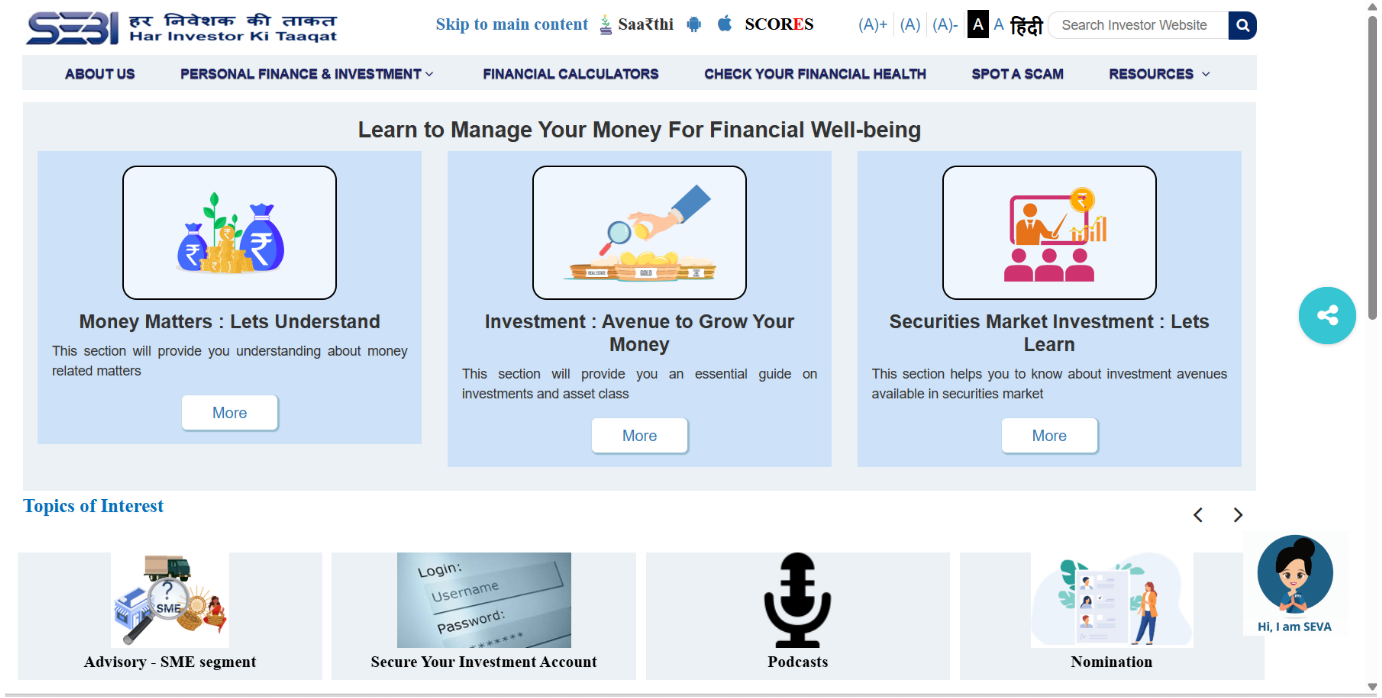


**SEBI Investor website - https://investor.sebi.gov.in/**

# SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

SEBI निवेशक प्रमाणन परीक्षा (SEBI Investor Certification Examination) एक निःशुल्क ऑनलाइन पहल है, जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना और व्यक्तियों को भारतीय प्रतिभूति बाज़ारों में सूचित एवं समझदारीपूर्ण निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

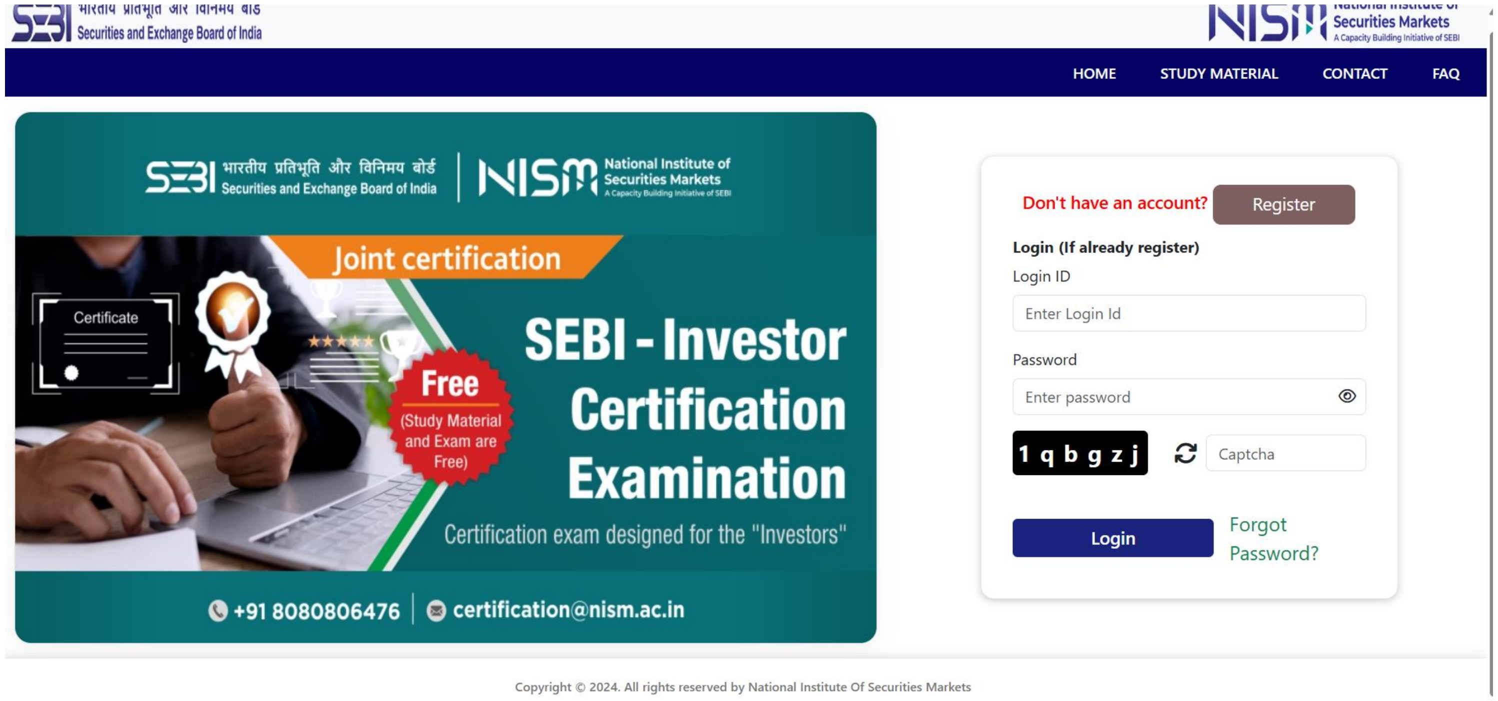


Investor Certification website - https://sice.nism.ac.in/loginQuiz

# SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

SEBI का “धरोहर” एक डिजिटल नॉलेज रिपॉज़िटरी है, जिसे 26 जनवरी 2025 को भारत के प्रतिभूति बाज़ार के 150 से अधिक वर्षों के इतिहास को स्मरण करने के लिए लॉन्च किया गया। यह एक इमर्सिव प्लेटफ़ॉर्म है, जो भारतीय प्रतिभूति बाज़ार के विकास और उसकी यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रस्तुत करता है।

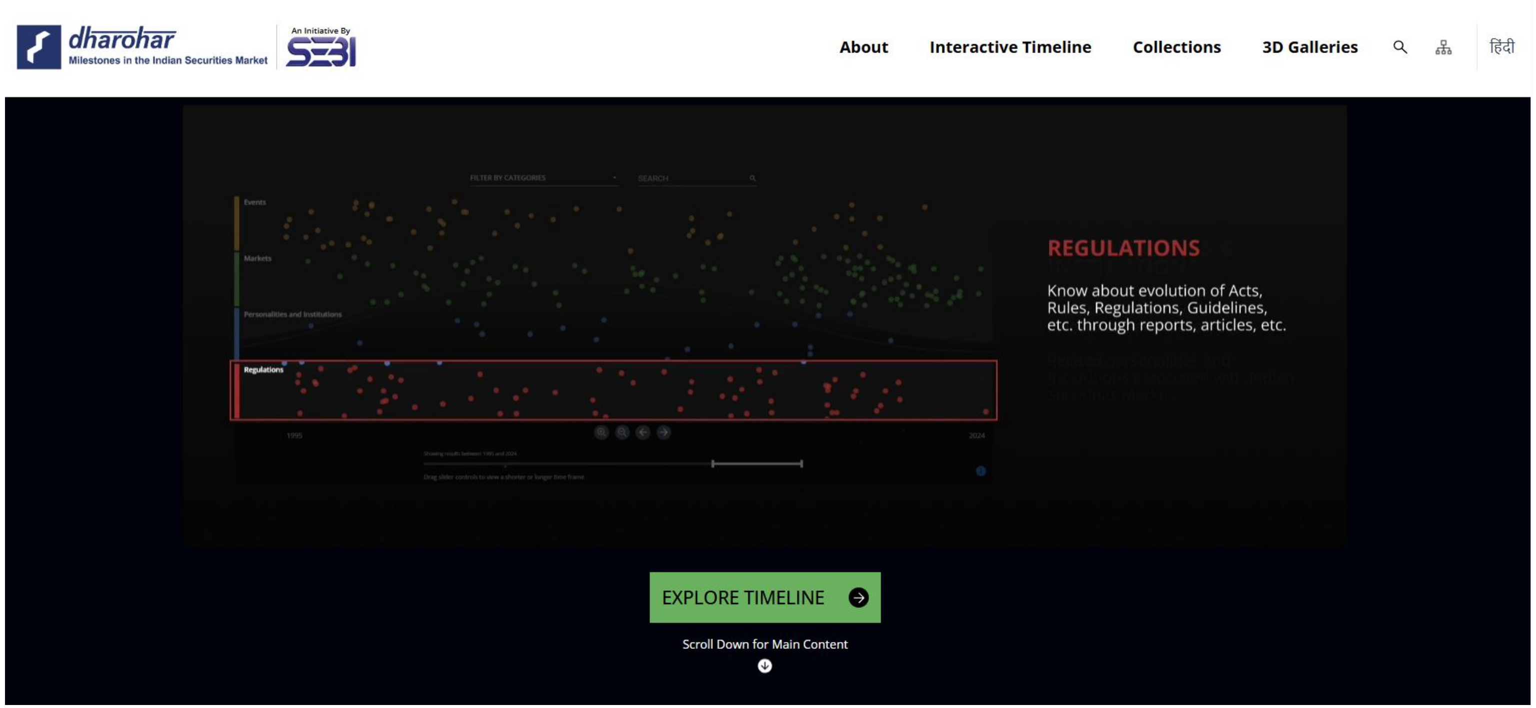


Dharohar website - https://mism.org/

NSE
IPFT

# SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

सारथी 2.0 एक उन्नत मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने जून 2024 में लॉन्च किया। इसका उद्देश्य निवेशकों को प्रभावी व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन के लिए व्यापक उपकरणों और संसाधनों से सशक्त बनाना है।

Saarthi 2.0 - https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sebi.invapp&hl=en_IN

Google Play store link - https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sebi.invapp&pcampaignid=web_share
Apple iOS link - https://apps.apple.com/in/app/saa%E2%82%B9thi/id1589426387

Non-Confidential

NSE
IPFT

# SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

## ब्रोकर्स के साथ लेन-देन करते समय निवेशकों के अधिकार

- 24 घंटे के भीतर कॉन्ट्रैक्ट नोट और लेन-देन विवरण प्राप्त करना।
- ब्रोकरेज, शुल्क और करों की पारदर्शी जानकारी प्राप्त करना।
- फंड और प्रतिभूतियों की बैलेंस संबंधी समय पर अपडेट प्राप्त करना।
- एक्सचेंज प्लेटफ़ॉर्म पर किए गए ट्रेड की सटीकता की पुष्टि करना।

## डिपॉज़िटरी संस्थानों के साथ लेन-देन करते समय निवेशकों के अधिकार

- होल्डिंग और लेन-देन का विवरण नियमित रूप से प्राप्त करना।
- संपत्ति के सुगम हस्तांतरण के लिए नामांकन सुविधा का उपयोग करना।
- डिमैट खाते में किसी भी गतिविधि के लिए SMS एवं ईमेल द्वारा रियल-टाइम अलर्ट प्राप्त करना।

Non-Confidential

NSE
IPFT

## SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

**मार्जिन प्लेज (Margin Pledge) मेकैनिज़्म निवेशकों को अपनी प्रतिभूतियों का स्वामित्व बदले बिना उन्हें ट्रेडिंग के लिए आवश्यक मार्जिन पूरा करने हेतु गिरवी (Collateral) के रूप में उपयोग करने की अनुमति देता है।**

**यह प्रणाली** SEBI **द्वारा मार्जिन फंडिंग में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।**

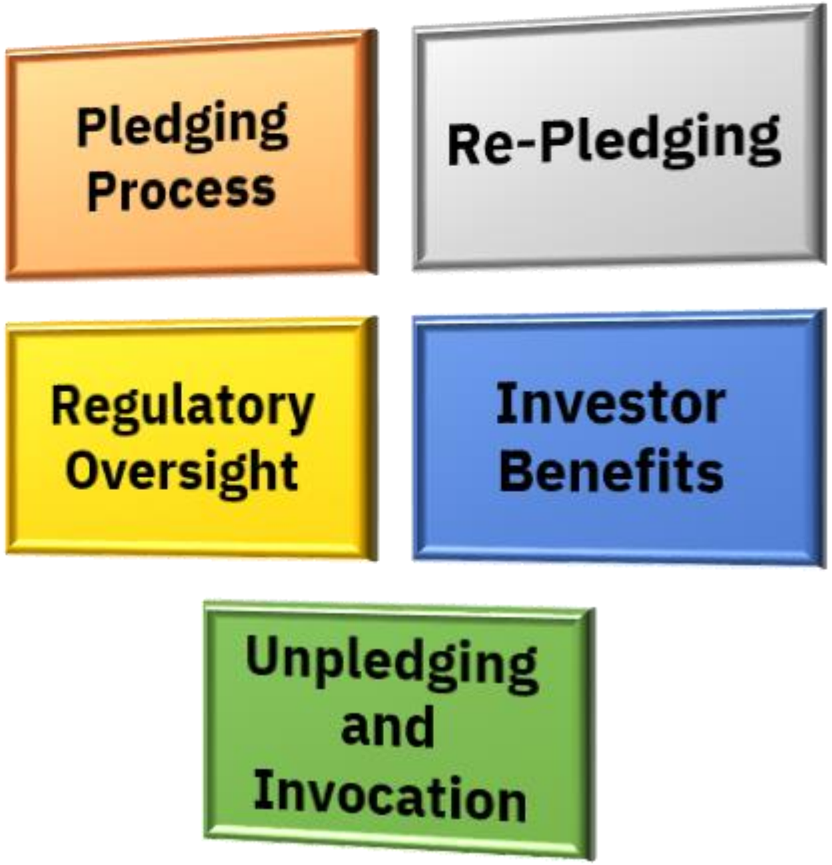

## SCORES (SEBI Complaint Redressal System) में शिकायत दर्ज करना

**मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण गंभीर वित्तीय अपराध हैं, जो प्रतिभूति बाज़ार की विश्वसनीयता को खतरे में डालते हैं।**
SEBI **और अन्य नियामक संस्थाएँ इन अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े उपाय लागू करते हैं।**

### नियामक ढाँचा एवं रोकथाम उपाय

**01** ग्राहक पहचान:
**SEBI सभी निवेशकों के लिए सख्त KYC नियम लागू करता है ताकि पहचान सत्यापन सुनिश्चित हो सके।.**

**02** एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (**AML**) अनुपालन:
SEBI-**पंजीकृत संस्थाओं के लिए संदिग्ध लेन-देन को फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (FIU–IND**) **को रिपोर्ट करना अनिवार्य है।.**

**03** लेन-देन की निगरानी:
**ब्रोकरों और वित्तीय संस्थानों को असामान्य ट्रेडिंग पैटर्न और बड़े नकद लेन-देन की निगरानी करनी होती है।**

NSE
IPFT

सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के तहत, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने जनता को जागरूक करने के लिए कई विज्ञापन जारी किए हैं। ऐसे ही एक विज्ञापन में सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं के पालन के महत्व पर जोर दिया गया है।

Non-Confidential

NSE IPFT

डबल रिटर्न के झांसे में आकर आपका डबल नुकसान हो सकता है। सुनो सिर्फ SEBI-registered advisors की, और भुगतान भी सिर्फ SEBI-verified UPI IDs पर करो।

CLICK TO PLAY

Non-Confidential

NSE IPFT

नकली ऐप्स असली जैसे ही लगते हैं, और जोखिम भी असली ही होता है। SEBI की साइट पर सत्यापित ऐप्स की सूची देखें और केवल उन्हीं को डाउनलोड करें।

CLICK TO PLAY

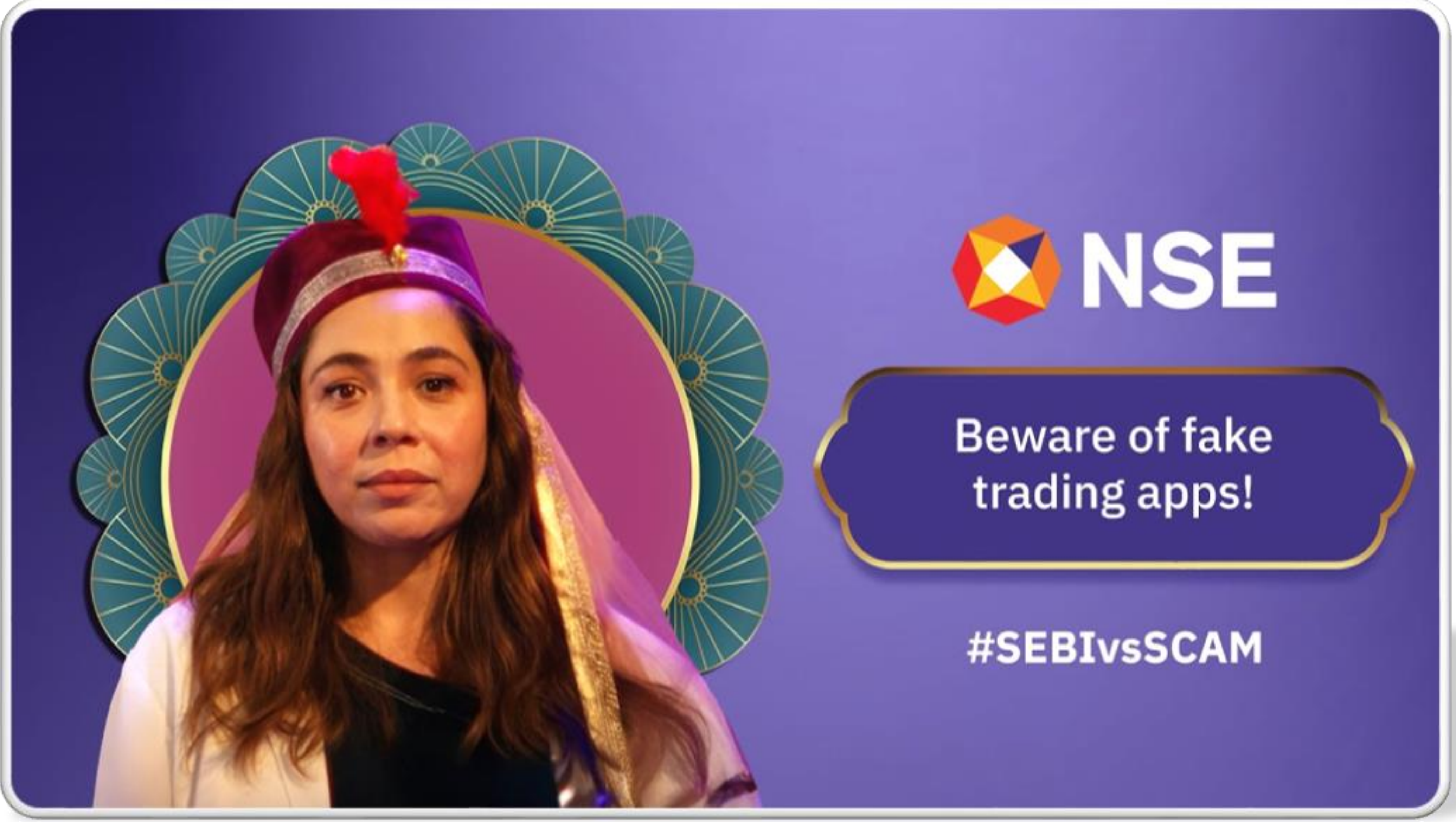




Non-Confidential

NSE
IPFT

मुस्कुराता हुआ हर चेहरा असली नहीं होता। डीपफेक वीडियोज़ से सावधान रहें— निवेश की जानकारी सिर्फ SEBI-अधिकृत स्रोतों से ही लें।

CLICK TO PLAY

NSE IPFT

## पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

- ऐसे रज़मर्रा के तरीकों को पहचानकर आप अपने निवेश को सुरक्षित रख सकते हैं।
- राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा निवेशक सुरक्षा के हित में जारी।

## पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

### १ विदेशी पोर्टफोलियो

ठग झूठे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं जो यह दावा करते हैं कि वे रजिस्टर्ड विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) से जुड़े हुए हैं। ये प्लेटफॉर्म इस बहाने से निवेशकों को गुमराह करते हैं कि वे उन्हें FPI या विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) के माध्यम से ट्रेडिंग के विशेष अवसर दे रहे हैं – जैसे उप-खाते या विशेष सुविधाओं वाले संस्थागत खाते।

### २ फेक ट्रेडिंग ऐप्स

ठग बिना रेगुलेशन वाले ट्रेडिंग ऐप्स भेजते हैं जो असली जैसे दिखते हैं, ताकि निवेशक अपने खाता विवरण साझा कर दें। इन ऐप्स की 'APK' फाइलें सोशल मीडिया के जरिए भेजी जाती हैं और ये आधिकारिक स्रोतों पर उपलब्ध नहीं होतीं। **कभी भी अनजान फाइलें डाउनलोड न करें**, चाहे वह दोस्तों या आपके डिवाइस में सेव किसी संपर्क द्वारा भेजी गई हो।

### ३ सोशल/मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए अपंजीकृत निवेश सलाह

**"मेरे चैनल को फॉलो करें"**और **"मेरे चैट ग्रुप में जुड़ें"**जैसी बातें सबसे बड़े लाल झंडे हैं जिन्हें पहचानना ज़रूरी है! SEBI-पंजीकृत स्टॉकब्रोकर कभी भी टिप्स या किसी भी प्रकार की चैट ग्रुप सलाह नहीं देते। ऐसे निवेशकों की रसीदें या सलाह जिनका दावा है कि उन्होंने एक्सपर्ट सलाह पाकर मुनाफा कमाया – वे सभी झूठे और आपको फंसाने के लिए बनाए गए होते हैं।

NSE IPFT

# पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

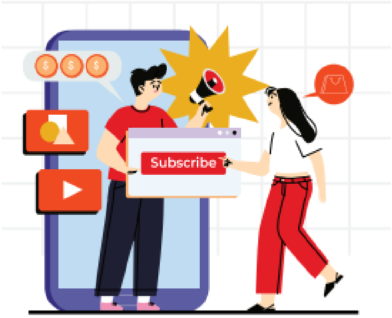


## 4 इन्फ्लुएंसर्स/लोकप्रिय हस्तियों के डीपफेक वीडियो

सेलिब्रिटी, सार्वजनिक हस्तियों, प्रोफेसरों, चीफ एनालिस्ट्स, प्रतिष्ठित लोगों, सरकारी प्रतीकों और प्रसिद्ध संस्थाओं के चेहरों का उपयोग करके नकली वीडियो बनाए जाते हैं, ताकि निवेशकों को उनकी सिफारिशों पर यकीन दिलाया जा सके। कभी भी अपुष्ट दावों और प्रोफाइल्स पर भरोसा न करें। AI के तेजी से बढ़ते दौर में, किसी भी चीज़ को उसके दिखावे पर न लें।

## 5 ओपिनियन ट्रेडिंग

ओपिनियन ट्रेडिंग घोटालों में निवेशकों को इस प्रकार गुमराह किया जाता है कि वे वास्तविक सिक्योरिटीज के बिना भी ट्रेडिंग का भ्रम पाले रहते हैं। ये प्लेटफॉर्म स्टॉक मार्केट की तरह दिखते हैं लेकिन SEBI के नियमों से बाहर होते हैं – जिससे निवेशकों को ज़्यादा जोखिम और कोई कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती।

## 6 अच्छे डिजिटल अभ्यास

पंजीकृत स्टॉकब्रोकर कभी भी आपकी लॉगिन आईडी और पासवर्ड नहीं मांगते। अगर आप अपने अकाउंट की जानकारी किसी को देते हैं, तो वह सीधे आपके फंड्स तक पहुंच बना लेता है। इससे आपका अकाउंट खाली हो सकता है और रिकवरी की कोई संभावना नहीं बचती। अपने पासवर्ड समय-समय पर बदलते रहें और अपनी लॉगिन जानकारी कभी भी किसी के साथ साझा न करें।

Non-Confidential

NSE IPFT

# पहले पहचानो ठगों को, वरना वे पहचान लेंगे आपको!

## 7 गैरंटीशुदा रिटर्न वाला पेड ट्रेडिंग कोर्स

फ्री या पेड ट्रेडिंग कोर्स के नाम पर दी जा रही स्टॉक टिप्स या निवेश सलाह के झांसे में न आएं। “पक्का मुनाफा होगा” जैसे वादों पर यकीन न करें — कोई भी ऐसा वादा नहीं कर सकता। ठग अक्सर नकली सक्सेस स्टोरीज़ और चकाचौंध वाले विज्ञापनों से लोगों को फंसाते हैं। अगर कोई मुनाफा गारंटी देता है, तो समझ लीजिए खतरे की घंटी बज चुकी है — दूर रहें! ये लोग खुद को SEBI-पंजीकृत ब्रोकर भी बताते हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने भारी मुनाफा कमाया है। अगर वे आपके लिए ट्रेड करने का ऑफर देते हैं और कहते हैं — “गारंटीड”, “५X”, “१०X”, या यहां तक कि “१००X रिटर्न्स” — तो यह स्कैम है!

## 8 पंप एंड डंप स्कैम

हाईप के झांसे में न आएं। यह एक धोखाधड़ी वाली मार्केट तकनीक है, जिससे निवेशकों को बड़ा नुकसान हो सकता है। ठग पहले किसी स्टॉक को बड़ी मात्रा में खरीदते हैं और फिर उसकी कीमत को फेक न्यूज या प्रचार से बढ़ाते हैं। जब कीमतें ऊपर जाती हैं, तो वे स्टॉक्स को बेच देते हैं, जिससे कीमतें क्रैश हो जाती हैं।

## 9 डब्बा ट्रेडिंग

डब्बा ट्रेडिंग एक अवैध तरीका है जिसमें मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के प्राइस तो दिखाए जाते हैं, लेकिन आपकी ट्रेड असल में स्टॉक एक्सचेंज सिस्टम में दर्ज ही नहीं होती — सिर्फ ऑपरेटर की किताबों में दर्ज होती है। स्टॉक एक्सचेंज से बाहर अनरजिस्टर्ड माध्यमों से ट्रेड करना गैरकानूनी है। ऐसे लेन-देन पर न तो कोई मुआवज़ा मिलेगा और न ही कोई कानूनी सहायता। हमेशा SEBI-पंजीकृत माध्यमों के साथ ही ट्रेड करें।

Non-Confidential

# आप अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं?

## १ आप अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं?

- गारंटीड या फिक्स्ड रिटर्न के लालच में न आएं।
- सिक्योरिटी मार्केट में गारंटीड रिटर्न अवैध हैं। किसी भी ऑफर को उसके दिखावे के आधार पर न स्वीकारें।
- अंजान स्रोतों से आए मैसेज से सावधान रहें।
- SEBI, NSE या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से खबरों की पुष्टि करें।
- गैर-मान्यता प्राप्त ट्रेडिंग ऐप्स डाउनलोड न करें और न ही किसी चैट ग्रुप से निवेश सलाह लें।
- केवल SEBI रजिस्टर्ड इंटरमीडियरीज़ के साथ ही लेन-देन करें।
- डिटेल्स चेक करें: https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognised=yes
- केवल SEBI पंजीकृत ट्रेडिंग ऐप्स को ही डाउनलोड करें (App Store या Google से)।
- जानकारी जांचें: https://investor.sebi.gov.in/Investor-support.html
- फंड ट्रांसफर केवल पंजीकृत क्लाइंट बैंक अकाउंट्स में ही करें।
- बैंक खातों की पुष्टि करें: https://enit.nseindia.com/MemDirWeb/form/tradingMemberLocator_beta.jsp
- १ अक्टूबर २०२५ से, SEBI ने Structured UPI फीचर लागू किया है जिसमें "thumbs-up" आइकन और SEBI चेक शामिल है — ताकि आप केवल रजिस्टर्ड इंटरमीडियरीज़ को ही भुगतान करें।
- उदाहरण: abc.brk@validbank
- किसी भी धोखाधड़ी की रिपोर्ट करें: www.cybercrime.gov.in या कॉल करें १९३०
- निवेशक सहायता के लिए कॉल करें: १८०० २६६ ००५०

Non-Confidential

NSE
IPFT

एक गलत UPI भुगतान आपकी बचत को ख़त्म कर सकता है। SEBI ने ब्रोकर्स, म्यूचुअल फंड और दूसरे इंटरमीडियरीज़ के लिए वैलिडेटेड UPI हैंडल और SEBI चेक फंक्शनैलिटी शुरू की है।

**CLICK TO PLAY**

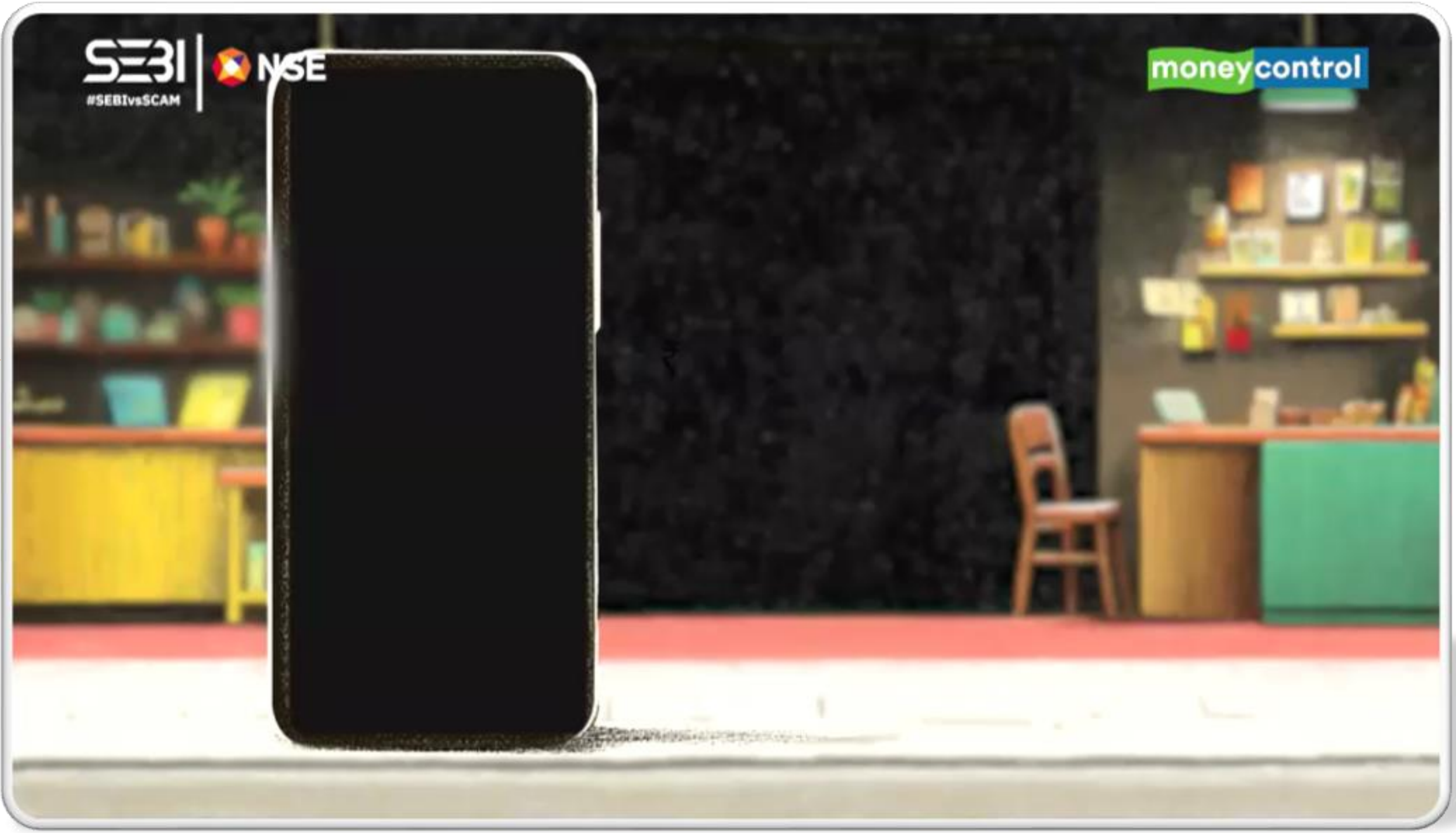




Non-Confidential

# पूंजी बाजारों में उभरते खतरे

**Whaling**

Targeted attacks on C-suite executives and senior leadership to gain access to sensitive information

**Smishing & Vishing**

SMS and voice call scams exploiting trust to extract sensitive information or credentials

**Ransomware**

Malicious software that encrypts critical data, demanding payment for restoration of access

**Phishing Attacks**

Deceptive emails designed to steal credentials, deploy malware, or trick employees into fraudulent transfers

**Account Takeover (ATO)**

Cyber criminals / Hackers access employees financial accounts through weak passwords, social engineering, or system vulnerabilities.

**Social Engineering**

Attackers manipulate individuals into divulging confidential information or performing actions that compromise security, such as transferring funds or providing sensitive data.



Non-Confidential

NSE
IPFT

# F&O में ट्रेडिंग करते समय उचित सावधानी बरतें

Trading in financial contracts like derivatives requires expertise

Understand the risks and only then trade in derivatives

Similarly, trade in options only if you have relevant trading experience and high-risk tolerance

Different investment avenues carry varying levels of risk and expertise. Choose your strategy after careful deliberation

In case of any issues / concerns, contact your Stockbroker. If you are not satisfied or do not receive any response, contact the Exchange on ignse@nse.co.in or 1800 266 0050

# सिक्योरिटीज मार्केट में AML & CFT दिशा-निर्देश

- SEBI ने इंटरमीडियरीज़ के लिए अनिवार्य किया है कि वे मनी लॉन्ड्रिंग रोधी (AML) और आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम (CFT) से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।
- निवेशक की ज़िम्मेदारियाँ और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।
- निवेशकों को क्लाइंट ड्यू डिलिजेंस (CDD) प्रक्रिया से गुजरना आवश्यक है, जिसमें पहचान सत्यापन, लाभकारी स्वामित्व की जानकारी देना, और अपनी व्यक्तिगत व वित्तीय जानकारी को समय-समय पर अपडेट करना शामिल है।
- गुमनाम या फर्जी खातों से बचें। उच्च जोखिम वाले ग्राहक (जैसे राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति, NGO, विदेशी निवेशक) के लिए अधिक जांच और सतर्कता आवश्यक है।
- निवेशकों को जोखिमों की जानकारी होनी चाहिए और उन्हें इंटरमीडियरीज़ के साथ ऑनबोर्डिंग और ट्रांजैक्शन के दौरान सहयोग करना चाहिए।
- निवेशकों को सटीक और पूर्ण KYC दस्तावेज़ प्रस्तुत करने अनिवार्य हैं।
- लेन-देन की संदिग्ध गतिविधियों के लिए निगरानी की जाती है।
- STRs (Suspicious Transaction Reports) बिना निवेशक को सूचित किए भी दर्ज किए जा सकते हैं।
- SEBI निवेशक डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जो AML/CFT ढांचे के अंतर्गत आती है।

NSE
IPFT

# ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स

- निवेशकों को अब ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से विभिन्न फिक्स्ड-इनकम इंस्ट्रूमेंट्स तक आसान पहुंच मिल गई है।
- निवेशकों को इन निवेश साधनों की विशेषताओं, जोखिमों और उनसे जुड़े खर्चों को समझना ज़रूरी है।
- YTM (Yield to Maturity) कोई गारंटीड रिटर्न नहीं होता — यह बाज़ार के ब्याज दरों, तरलता की स्थिति, परिपक्वता अवधि, और जारीकर्ता की क्रेडिट योग्यता के आधार पर बदल सकता है।
- कूपन रेट वह निश्चित वार्षिक ब्याज दर होती है जो जारीकर्ता द्वारा नियमित आय के रूप में दी जाती है।
- यह भुगतान पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते और जारीकर्ता की वित्तीय स्थिति और क्रेडिट विश्वसनीयता पर निर्भर करते हैं।
- बॉन्ड की कीमतें और यील्ड के बीच उलटा संबंध होता है।
- किसी भी ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश करने से पहले, निवेशकों को कुछ अहम बातों पर ध्यान देना चाहिए, जैसे: बॉन्ड की क्रेडिट रेटिंग, समय पर पुनर्भुगतान का रिकॉर्ड, इंस्ट्रूमेंट की तरलता, सेटलमेंट टाइमलाइन, टैक्स से जुड़े प्रभाव
- निवेशकों से सावधानी बरतने और बिना रजिस्टर ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म पर लेन-देन करने से बचने का आग्रह किया जाता है। निवेशकों को लेन-देन करने से पहले OBPPs का रजिस्ट्रेशन स्टेटस वेरिफाई करना चाहिए, और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल SEBI-रजिस्टर्ड संस्थाओं के साथ ही डील करनी चाहिए।

- SEBI वेबसाइट: https://www.sebi.gov.in/online-bond-platform-providers.html

**यह भी सुनिश्चित करें कि आप जिस प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं वह SEBI-पंजीकृत ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर (OBPP) है।**

Non-Confidential

NSE
IPFT

# ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स

- निवेशकों की शिकायतों का समाधान सरल बनाने और सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए,
- कॉमन इन्वेस्टर सर्विस सेंटर्स (CISC) देशभर में शुरू किए गए हैं। अपने नजदीकी CISC की जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं:
- 🔗 https://www.nseindia.com/contact/investor-services-centre

NSE IPFT

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India
NISM
National Institute of Securities Markets
A Capacity Building Initiative of SEBI
Certificate
SEBI- Investor Awareness Test
Available in Hindi and English languages
FREE
(Study Material and No Exam Fee)
Exam Objectives:
• To create Investor awareness and education in securities markets
• To scale up securities market related knowledge among the investing public
• To develop right attitude/behavior when investing in the market
SCAN FOR REGISTRATION
+91 8080806476
certification@nism.ac.in

NSE
IPFT

## Saa₹thi App

## SEBI | Investor Awareness - Login and Registration

# SCORES २.० – ऑनलाइन शिकायत निवारण सुविधा मंच

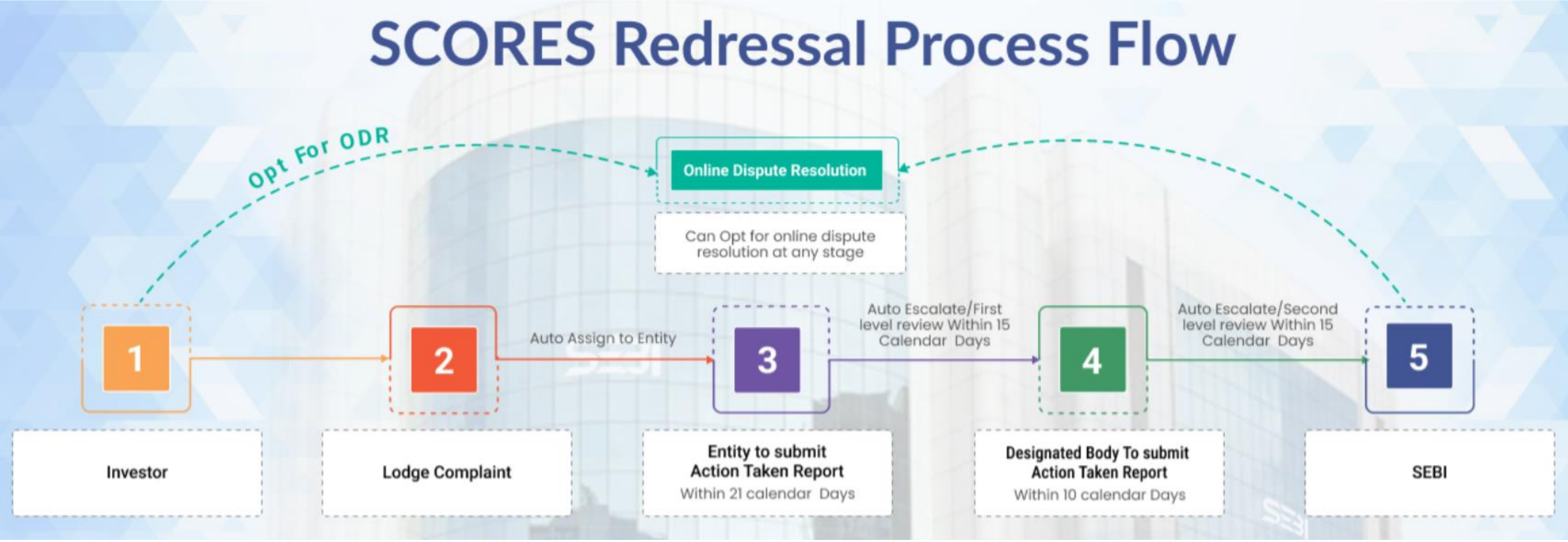

NSE IPFT

# निवेश के लिए तैयार हैं?

यहाँ कुछ कैलकुलेटर दिए गए हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं:
🔗 https://investor.sebi.gov.in/calculators/index.html

- SIP कैलकुलेटर
- गोल SIP कैलकुलेटर
- महंगाई (Inflation) कैलकुलेटर
- लम्पसम निवेश कैलकुलेटर
- रिटायरमेंट योजना कैलकुलेटर
- स्टेप-अप SIP कैलकुलेटर

Non-Confidential

NSE
IPFT

INVESTOR AWARENESS SERIES

INVESTING DEMYSTIFIED SERIES

PARSI CAFÉ SERIES

FATHER & SON SERIES

PODCAST – SHASHAKT NIVESHAK

MONEY MINDED MALINI

NSE
IPFT

# हम इन प्लेटफ़ॉर्म्स पर भी मौजूद हैं

NSE India

@nseindia

NSE India

@NSEIndia

NSE India

अपने पसंदीदा सोशल मीडिया चैनल पर हमें फ़ॉलो करें ताकि आप वित्तीय और पूंजी बाज़ार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से जुड़े रहें।

पूंजी बाज़ार पर नियमित अपडेट पाने के लिए हमारे YouTube चैनल को सब्सक्राइब करें।

Non-Confidential

NSE
IPFT

NSE Investor Awareness Program

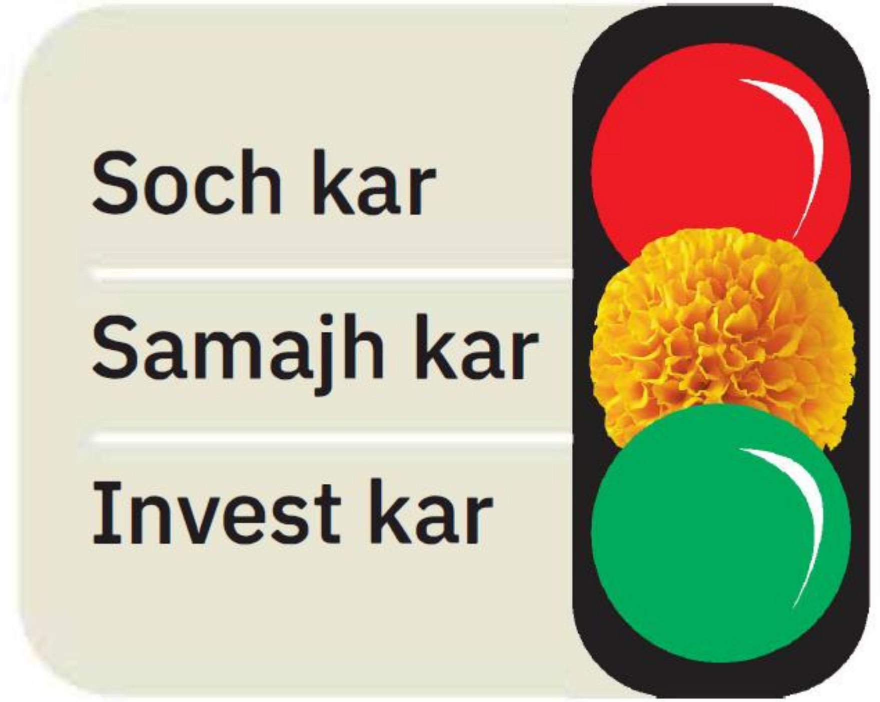
Soch kar
Samajh kar
Invest kar